पाठ्यक्रमः गांधीः पारिस्थितिकी और सतत विकास (एम जी पी ई–014)

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–014/ए एस एस टी/टी एम ए/2025–26
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. भारत में पारिस्थितिकी और विकास से संबंधित हालिया वाद–विवादों पर विस्तार से चर्चा कीजिए।

2. हमारे जीवन-यापन के प्रमुख/प्रचलित तरीकों में कौन-कौन सी कमियाँ हैं? विकास के प्रति गांधीवादी दृष्टिकोण के माध्यम से इन्हें किस प्रकार दूर किया जा सकता है?

3. किसी देश के विकास के लिए कौन-सा तत्व अधिक निर्णायक है—भूगोल या संस्थाएँ? अपने उत्तर के समर्थन में तर्क एवं उदाहरण प्रस्तुत कीजिए।

4. " 'अन्टू दिस लास्ट' का उपयुक्त प्रतिपादन (rendering) सर्वोदय के स्थान पर अंत्योदय (अंतिम व्यक्ति का उत्थान) होना चाहिए।" टिप्पणी कीजिए।

5. एक आश्रम सामुदायिक जीवन के उद्देश्य की पूर्ति किस प्रकार कर सकता है? गांधी ने अपने आश्रमों को पर्यावरण–अनुकूल जीवन-पद्धति के आदर्श मॉडल के रूप में किस प्रकार विकसित किया?

भाग – II

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) गहन पारिस्थितिकी (deep ecology) का अर्थ एवं महत्व।
   ख) जल संचयन और पारंपरिक जोहड़ (*johads*) ।

7. क) औद्योगिक युग के विश्व-दृष्टिकोण के प्रतिमानों की, गांधीवादी विश्व-दृष्टि की ओर उन्मुख नव-उदित वैकल्पिक विश्व-दृष्टि से तुलना।
   ख) ग्राम स्वावलंबन (self-sufficiency) राष्ट्रीय विकास की ओर ले जाता है। टिप्पणी कीजिए।

8. क) द लिमिट्स टू ग्रोथ — क्लब ऑफ रोम को प्रस्तुत प्रतिवेदन। (The Limits to Growth – a Report to the Club of Rome)
   ख) पंचायती राज पर गांधी के विचार।

9. क) अलगाव (Alienation) के माध्यम से गरीबी, बेरोज़गारी तथा व्यक्तियों की आर्थिक दुर्दशा की गांधी द्वारा की गई व्याख्या।
   ख) टिप्पणी कीजिए: "छोटा और सरल ही सुंदर है।"

10. क) दार्शनिक अराजकतावादी के रूप में गांधी।
    ख) प्रभावी पर्यावरण संरक्षण हेतु हरित पहलें।